Daily Gospel Reflections in Hindi

31 July 2019

लूकस 14:25-33

A DISCIPLE OF JESUS MUST GIVE UP EVERYTHING

आज माता कलीसिया संत इगनेष्यस का पर्व मना रही हैं। संत इगनेष्यस कि जीवनी की ओर नजर डालते समय हमें ये देखने को मिलता हैं कि वह अपने देश के लिए सैनिक के रूप में सेवा कर रहे थे। लेकिन जब वह 30 वर्ष के थे तब पांपलोना के एक युद्ध में घायल हो गयें थे। उस समय उन्होनें प्रभु ईसा मसीह के जीवनी एवं कलीसिया के कई संतो की जीवनी के बारे में पढ़ा। इसी के माध्यम से उन्होने यह पहचान लिया की उनका सच्चा बुलावा एक सैनिक के रूप में नही बल्कि अपने जीवन को पूर्ण रूप से ईसा मसीह के चरणों में समर्पित करने के लिए बुलाया है।

आज के सुसमाचार (संत लूकस 14,25–33) में आत्मत्याग के बारे में दर्शाते है। पवित्र बाईबिल में कई ऐसी हसतियाँ है जिन्होने अपने जीवन को पूर्ण रूप से प्रभु के लिए त्याग दिया है। इब्राहिम,मूसा,नबियों, ईसा के शिष्यगण और कई संतो ने प्रभु के लिए अपने जीवन को त्याग दिया है। अपने जीवन में कोई भी चीज को त्यागना क्रुस उठाने के बराबर है।

प्रभु कहते कि "जो अपना सबकुछ नही त्याग देता, वह मेरा शिष्य नही हो सकता" (संत लूकस 14,33) । "जो अपना क्रुस उठाकर मेरा अनुसरण नही करता, वह मेरा शिष्य नही हो सकता" (संत लूकस 14,26) । जी हाँ, हम सभी लोग प्रभु के निकट रहना चाहते है लेकिन आत्मत्याग ही उसके लियें एक मात्र मार्ग है। आज के जमाने में हमारे जीवन का यही एक मात्र उददेश्य होना चाहिए कि सबकुछ छोड़कर प्रभु की शरण अपनाएँ। सब कुछ छोड़कर ही प्रभु के पास रह सकते है।

इस आधुनिक युग में रहते समय यह सोच नही सकते कि हम पूर्ण रूप से सबकुछ छोड़ सकते है। हम सब दुनिया की माया मोह में लिपटे हुए है। हमारे व्यक्तिगत जीवन में प्रभु के निकट रहने के लिये संसारिक चीजों को छोड़ने के लिये ईमानदारी से कोशिश करें। इस वरदान के लिये ईसा मसीह से कृपा मांगे एवं प्रभु ईसा मसीह संत इगनेष्यस के जरिये हम पर भरपूर कृपा प्रदान करने के लिए प्रार्थना करें।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019